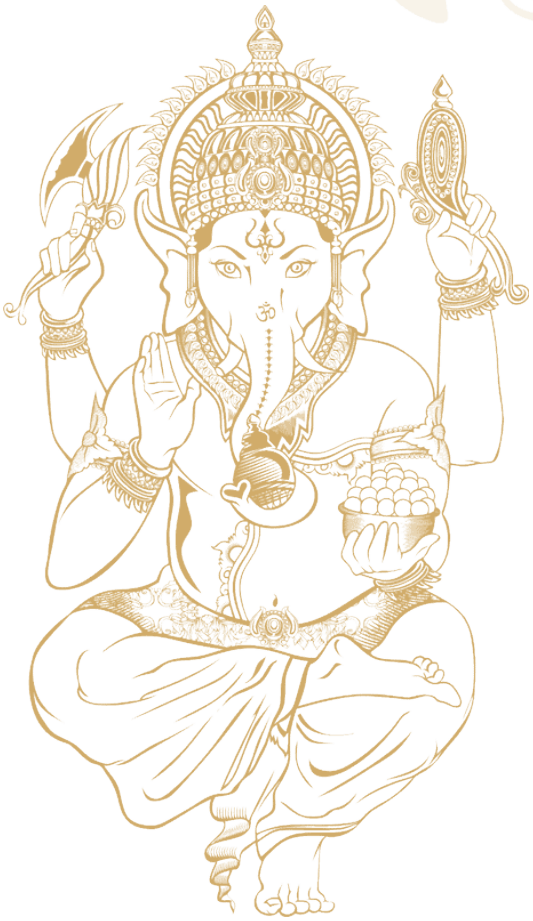

??

26 Feb 2026

08:53 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403010

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:53:00 घंटे**
इष्ट	05:08:08 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:31:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	18:55:51 घंटे
सूर्योदय	06:49:44 घंटे
सूर्यास्त	18:18:44 घंटे
दिनमान	11:29:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:18:36 कुम्भ
लग्न के अंश	25:30:02 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:30:02	498:30:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			कुंभ	13:18:36	01:00:19	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	04:42:50	14:10:57	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	02:16:00	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			कुंभ	28:20:21	00:01:24	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:08:20	00:02:32	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	25:25:28	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	07:09:39	00:07:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:16	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:16	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:26:58	00:01:09	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:43:03	00:02:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:13:50	00:01:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	18:37:40	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

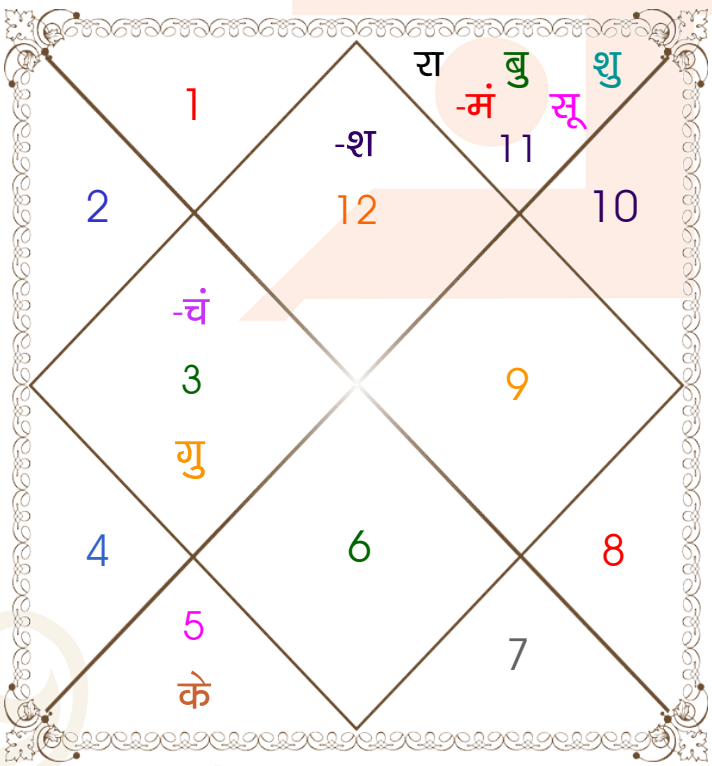

चन्द्र कुंडली

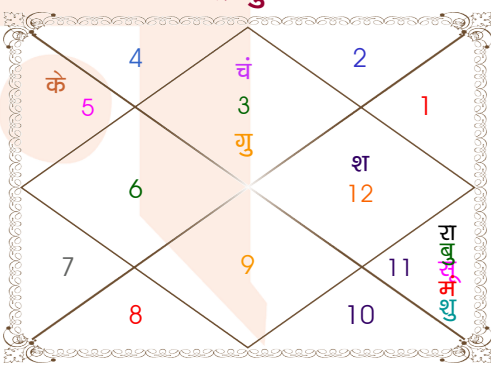

नवमांश कुंडली

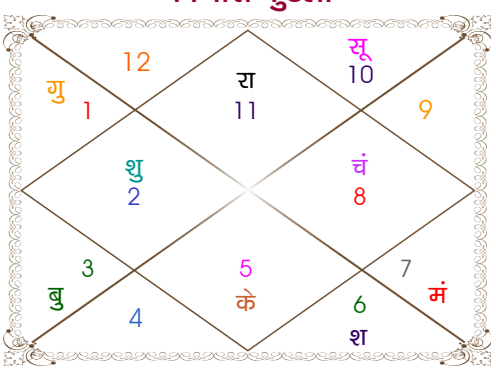

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 0 मास 9 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/02/2026		07/03/2027		07/03/2045		07/03/2061		07/03/2080	
07/03/2027		07/03/2045		07/03/2061		07/03/2080		07/03/2097	
	00/00/0000	राहु	17/11/2029	गुरु	25/04/2047	शनि	10/03/2064	बुध	03/08/2082
	00/00/0000	गुरु	12/04/2032	शनि	05/11/2049	बुध	18/11/2066	केतु	31/07/2083
	00/00/0000	शनि	17/02/2035	बुध	11/02/2052	केतु	28/12/2067	शुक्र	31/05/2086
	00/00/0000	बुध	05/09/2037	केतु	17/01/2053	शुक्र	26/02/2071	सूर्य	07/04/2087
	00/00/0000	केतु	24/09/2038	शुक्र	18/09/2055	सूर्य	08/02/2072	चंद्र	05/09/2088
	26/02/2026	शुक्र	24/09/2041	सूर्य	06/07/2056	चंद्र	08/09/2073	मंगल	02/09/2089
शुक्र	31/03/2026	सूर्य	18/08/2042	चंद्र	05/11/2057	मंगल	18/10/2074	राहु	22/03/2092
सूर्य	06/08/2026	चंद्र	17/02/2044	मंगल	12/10/2058	राहु	24/08/2077	गुरु	28/06/2094
चंद्र	07/03/2027	मंगल	07/03/2045	राहु	07/03/2061	गुरु	07/03/2080	शनि	07/03/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/03/2097		08/03/2104		08/03/2124		08/03/2130		08/03/2140	
08/03/2104		08/03/2124		08/03/2130		08/03/2140		00/00/0000	
केतु	03/08/2097	शुक्र	08/07/2107	सूर्य	25/06/2124	चंद्र	06/01/2131	मंगल	04/08/2140
शुक्र	03/10/2098	सूर्य	07/07/2108	चंद्र	25/12/2124	मंगल	07/08/2131	राहु	22/08/2141
सूर्य	08/02/2099	चंद्र	08/03/2110	मंगल	02/05/2125	राहु	05/02/2133	गुरु	29/07/2142
चंद्र	09/09/2099	मंगल	08/05/2111	राहु	26/03/2126	गुरु	07/06/2134	शनि	07/09/2143
मंगल	05/02/2100	राहु	08/05/2114	गुरु	13/01/2127	शनि	07/01/2136	बुध	03/09/2144
राहु	24/02/2101	गुरु	06/01/2117	शनि	26/12/2127	बुध	07/06/2137	केतु	30/01/2145
गुरु	31/01/2102	शनि	08/03/2120	बुध	31/10/2128	केतु	06/01/2138	शुक्र	27/02/2146
शनि	11/03/2103	बुध	06/01/2123	केतु	08/03/2129	शुक्र	07/09/2139		00/00/0000
बुध	08/03/2104	केतु	08/03/2124	शुक्र	08/03/2130	सूर्य	08/03/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।